SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Pipli (Appliqué) Artisan

पिपली कारीगर (एप्लिक कारीगर) रंग-बिरंगे कपड़ों को अलग-अलग आकृतियों — फूल, पत्ती, हाथी, तोता, मोर, ज्यामितीय पैटर्न — में काटकर, उन्हें आधार कपड़े पर सुई-धागे से सिलाई कर सुंदर चांदुआ (छतरी/कैनोपी), दीवार पर टाँगने वाले तोरण, बैग,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6315

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

पिपली कारीगर (एप्लिक कारीगर) रंग-बिरंगे कपड़ों को अलग-अलग आकृतियों — फूल, पत्ती, हाथी, तोता, मोर, ज्यामितीय पैटर्न — में काटकर, उन्हें आधार कपड़े पर सुई-धागे से सिलाई कर सुंदर चांदुआ (छतरी/कैनोपी), दीवार पर टाँगने वाले तोरण, बैग, कुशन, तंबू और सजावटी सामान बनाता है। ओडिशा के पिपली की यह एप्लिक कला जी.आई. टैग प्राप्त 800 साल पुरानी परंपरा है, और राजस्थान में भी एप्लिक व पैचवर्क (कतरन-जोड़) की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा है। यह हुनर हाथ के काम से आत्मनिर्भर रोज़गार, स्वरोज़गार और निर्यात तक के अवसर देता है, और महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी उपयुक्त है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	10वीं पास + लगभग 2 वर्ष अनुभव (एनएसक्यूएफ लेवल 4 एप्लिक आर्टिसन)
कोर्स/प्रशिक्षण अवधि	लगभग 3–6 माह (उस्ताद के साथ सीखना अलग)
आरंभिक वेतन	₹6,000–12,000/माह
कार्य-शैली	कारखाना/घर पर हस्तशिल्प, स्वरोज़गार

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- रंगों, पैटर्न और सजावटी डिज़ाइन में गहरी रुचि
- सुंदर, सांस्कृतिक व त्योहारी वस्तुएँ रचने का उत्साह
- हाथ से चीज़ें बनाना और पारंपरिक हस्तशिल्प का शौक

क्षमताएँ

- कलात्मक (creative) अभिवृत्ति और डिज़ाइन-कल्पना
- हाथ और आँख का अच्छा समन्वय तथा बारीक काम
- लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करके काम करने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- कपड़े पर आकृतियाँ ट्रेस करना, सटीक काटना (कटाई)
- एप्लिक सिलाई तकनीक — चांदुआ, छतरी, तोरण, दीवार-सज्जा बनाना

- रंग संयोजन, पैटर्न और डिज़ाइन की समझ
- फिनिशिंग, दर्पण/मोती-टाँका और सजावटी परिष्करण
- ई-कॉमर्स/सोशल मीडिया पर उत्पाद बेचना और जी.आई./ब्रांडिंग
- विभिन्न कपड़ों, धागों और सामग्री की पहचान व गुणवत्ता जाँच
- ग्राहक से संवाद, मूल्य-निर्धारण और ऑर्डर लेना

4 कैसे पहुँचें

1. कम से कम 10वीं कक्षा पूरी करें (कलात्मक रुचि जरूरी)।
2. किसी उस्ताद कारीगर या पिपली/हस्तशिल्प कारखाने में रहकर कटाई-सिलाई सीखें; लगभग 2 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव लें।
3. एनएसक्यूएफ लेवल 4 'एप्लिक आर्टिसन' (HCS-Q7303) कोर्स के लिए HCSSC/एनएसडीसी/जेएसएस केंद्र में नामांकन करें।
4. अलग-अलग आकृतियों व उत्पादों का अभ्यास कर अपना नमूना-संग्रह (पोर्टफोलियो) बनाएं।
5. पीएम विश्वकर्मा योजना में कारीगर के रूप में पंजीकरण/पहचान कार्ड बनवाएं; औज़ार-किट, प्रशिक्षण भत्ता व सस्ता ऋण पाएं।
6. अपना कारखाना शुरू करें, एम्पोरियम/एसएचजी से जुड़ें या निर्यातक के लिए काम करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- HCSSC/एनएसडीसी 'एप्लिक आर्टिसन' (HCS-Q7303) कौशल मूल्यांकन एवं प्रमाणन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- हस्तशिल्प विभाग / रूरल नॉन-फार्म डेवलपमेंट एजेंसी (RUDA), राजस्थान — जयपुर, राजस्थान (https://industries.rajasthan.gov.in/content/industries/handmadeinrajasthandepartment.html)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss)
- विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय – प्रशिक्षण व विपणन — अखिल भारतीय (https://handicrafts.nic.in/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- Handicrafts & Carpet Sector Skill Council (HCSSC) – Applique Artisan — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://hcssc.in/)
- National Institute of Fashion Technology (NIFT), Jodhpur — जोधपुर, राजस्थान (https://www.nift.ac.in/jodhpur/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- HCSSC – एप्लिक आर्टिसन पार्टिसिपेंट हैंडबुक (स्व-अध्ययन) — ऑनलाइन (https://hcssc.in/wp-content/uploads/2023/07/PH_English_Applique-Artisan_HCS-Q7303_2.pdf)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (RSLDC, JSS, पीएम विश्वकर्मा, पीएमकेवीवाई, DC-हस्तशिल्प) के तहत प्रशिक्षण मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर मिलता है और अक्सर भत्ता/औज़ार-किट भी दी जाती है। निजी संस्थान या डिज़ाइन कोर्स की फीस लगभग ₹5,000–25,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- पीएम विश्वकर्मा योजना (कारीगर पहचान कार्ड, औज़ार-किट, भत्ता व सस्ता ऋण) (https://pmvishwakarma.gov.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- DC (Handicrafts) – कारीगर योजनाएँ व पहचान कार्ड (https://handicrafts.nic.in/)
- Buddy4Study – ITI/व्यावसायिक छात्रवृत्ति (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

पिपली/पुरी व राजस्थान के हस्तशिल्प कारखाने, हस्तशिल्प एम्पोरियम (राजस्थली, उत्कलिका, बोयनिका), स्वयं सहायता समूह व एनजीओ, अपना घरेलू यूनिट, तथा निर्यातक फर्में।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर 8–9 घंटे, सप्ताह में 6 दिन काम; त्योहारों, शादियों और रथ यात्रा जैसे मौसमों में मांग बढ़ जाती है। काम अक्सर पीस-रेट (प्रति नग) या पारिवारिक कारखाने में होता है। बैठकर करने वाला यह काम महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए भी उपयुक्त है।

कौन नौकरी देता है

- सरकारी व निजी हस्तशिल्प एम्पोरियम (राजस्थली, उत्कलिका, बोयनिका)
- हस्तशिल्प निर्यातक और ईपीसीएच से जुड़े निर्यात हाउस

- स्वयं सहायता समूह व एनजीओ (राजीविका, सधना, ओएलएम)
- ई-कॉमर्स मंच (Amazon Karigar, Flipkart Samarth, Okhai, GoCoop)
- तंबू/कैनोपी, इवेंट व शादी-सजावट कंपनियाँ
- होम-डेकोर व फैशन ब्रांड (जैसे FabIndia, Jaypore) और बुटीक

माँग (2026)

हस्तनिर्मित, जी.आई.-टैग वाली सजावटी वस्तुओं की मांग त्योहारों, शादियों, पर्यटन और निर्यात बाज़ार में लगातार बनी हुई है, और ई-कॉमर्स ने कारीगरों को सीधे ग्राहक तक पहुँचाया है। पीएम विश्वकर्मा, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट और निर्यात प्रोत्साहन से अवसर बढ़ रहे हैं; हालाँकि मशीन-निर्मित सस्ते माल से प्रतिस्पर्धा है, इसलिए कुशल, ब्रांडेड और निर्यात-गुणवत्ता वाले कारीगर सबसे अच्छा करते हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. प्रशिक्षु / सहायक एप्लिक कारीगर
2. एप्लिक कारीगर (कारीगर)
3. मास्टर शिल्पकार / डिज़ाइनर
4. अपना कारखाना/उद्यम मालिक व निर्यातक

कमाई

शुरुआत	₹6,000–12,000/माह
मध्य स्तर	₹12,000–25,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹30,000–60,000+/माह

शुरुआती पीस-रेट आय कम (कहीं-कहीं ₹5,000–8,000/माह) हो सकती है, पर कुशल कारीगर, मास्टर शिल्पकार और अपना कारखाना/निर्यात चलाने वाले काफी अधिक कमाते हैं; राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता व निर्यातक तो लाखों तक पहुँचते हैं। पीएम विश्वकर्मा के तहत औज़ार-किट, भत्ता व सस्ता ऋण आय बढ़ाने में मदद करता है। (संदर्भ आय सांकेतिक है और परिवर्तन के अधीन है।)

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- रचनात्मक, सांस्कृतिक गर्व वाला काम जो पारंपरिक कला जीवित रखता है
- घर से/स्वरोज़गार में लचीलापन; महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी उपयुक्त
- सरकारी सहयोग (पीएम विश्वकर्मा, जी.आई., निर्यात) और ई-कॉमर्स से बढ़ते अवसर

चुनौतियाँ

- पीस-रेट आय शुरुआत में कम और मौसमी हो सकती है
- लंबे घंटे, बारीक काम से आँखों व हाथों पर ज़ोर
- मशीन-निर्मित सस्ते माल से कड़ी प्रतिस्पर्धा

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Benudhar Mahapatra
अध्यक्ष, ओडिशा एप्लिक सोसाइटी एवं वरिष्ठ पिपली एप्लिक कारीगर

पिपली (ओडिशा) की पीढ़ियों पुरानी एप्लिक परंपरा में पले-बढ़े बेणुधर महापात्र आज इस जी.आई.-टैग प्राप्त हस्तशिल्प के कारीगरों का नेतृत्व ओडिशा एप्लिक सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में करते हैं। वे कारीगरों को कच्चा माल, उचित दाम और बाज़ार दिलाने तथा असली पिपली एप्लिक की पहचान व साख बचाने के लिए काम करते हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि एक साधारण कारीगर भी हुनर के साथ-साथ अपने समुदाय का अगुआ बन सकता है और परंपरागत कला को आगे की पीढ़ियों तक पहुँचा सकता है।

Civil Society Magazine · https://www.civilsocietyonline.com/rural-reporter/pipli-is-trendy-with-its-craft-but-losing-its-artisans/

Lakshmi Shah
एप्लिक व पैचवर्क कारीगर, सधना (सेवा मंदिर), उदयपुर, राजस्थान

उदयपुर ज़िले के मनोहरपुरा समूह की लक्ष्मी शाह वर्ष 2003 में, जब उनके पति की फैक्ट्री बंद हो गई, सधना नामक महिला हस्तशिल्प उद्यम से जुड़ीं। घर पर रहते हुए एप्लिक, पैचवर्क और टाँका कढ़ाई का काम करके उन्होंने न सिर्फ़ परिवार चलाया बल्कि अपनी बेटियों को पढ़ाया और प्रदर्शनियों में भाग लिया। उनके शब्दों में, 'सधना ने मुझे हिम्मत, सम्मान और आत्मविश्वास दिया।' यह कहानी बताती है कि सुई-धागे का हुनर एक महिला को आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी बना सकता है।

30 Stades · https://30stades.com/2022/06/22/udaipur-sadhna-social-enterprise-disadvantaged-women-handcraft-a-secure-future/

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – पिपली कारीगर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%aa%e0%a4%bf%e0%a4%aa%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%97%e0%a4%b0/

2. HCSSC – एप्लिक आर्टिसन (HCS-Q7303) हैंडबुक — https://hcssc.in/wp-content/uploads/2023/07/PH_English_Applique-Artisan_HCS-Q7303_2.pdf

3. पिपली एप्लिक कार्य (ओडिशा) – जी.आई., टेक्सटाइल्स कमिटी — https://textilescommittee.nic.in/pipli-applique-work-odisha-gi-regn-no-86108

4. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय — https://handicrafts.nic.in/

5. पीएम विश्वकर्मा योजना — https://pmvishwakarma.gov.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in